उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालय, हरिद्वार

मर्मचिकित्साविज्ञानमें षाण्मासिकप्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

प्रथम पत्र

–80+20 अंकाः
समय : 03:00 घण्टा

मर्मविज्ञान एवंचिकित्सा

इकाईप्रथम

मर्मकाअर्थ, परिभाषा, मनुष्य शरीरमेंमर्मकामहत्व।

इकाई द्वितीय

वैदिकचिकित्साविज्ञान की पृष्ठभूमि, आयुर्वेदमेंमर्मविज्ञानविमर्श,मर्मविज्ञानपरिचय, वैदिकचिकित्सा एवंमर्मविज्ञानसम्बन्धीआचारसंहिता।

इकाईतृतीय

मर्म संख्या परिगणन, संक्षिप्तमर्मविवरण,मर्मों के प्रकार एवंपरिणाम।

इकाईचतुर्थ

उर्ध्वजत्रुगतमर्म, उर्ध्व अधः शाखा के मर्म, उदरपृष्ठ के मर्म, मर्मोंकापृथक्–पृथक् वर्णन।

इकाईपंचम

मर्माघात– लक्षण एवंउपचार,आग्नेय मर्मों की प्राणघातकता, सौम्य–वायव्य मर्मोंपरआघातकाप्रभाव।

सन्दर्भग्रन्थसूची :–

1. सुश्रुत (शरीर स्थान) – गोविन्दभास्कर घाणेकर।
2. मर्मविज्ञान एवंमर्मचिकित्सा– डॉ0 सुनीलकुमारजोशी।
3. मर्मचिकित्साविज्ञान – डॉ0 सुनीलकुमारजोशी।
4. Marma science and Principles &Marmatharpy-Dr. Sunil Kumar Joshi
5. Marma science &Marmatharpy-Dr. Sunil Kumar Joshi

नोट : प्रत्येकप्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकनहेतुनिर्धारितहैं।

अंकविभाजन :–प्रश्नपत्र मेंतीन खण्डहोंगे।प्रथम खण्डमेंचारमेंसेदोप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येकप्रश्न 20 अंककाहोगा। द्वितीय खण्डमेंभीचारमेंसेदोप्रश्नहलकरनेहोंगे।प्रत्येकप्रश्न 10 अंककाहोगा।तृतीय खण्डमेंसभीपांचप्रश्नअनिवार्यहोंगे।प्रत्येकप्रश्न 04 अंककाहोगा।

योग एवंमर्मचिकित्सा
द्वितीय पत्र

–80+20 अंका:
समय : 03:00 घण्टा

इकाईप्रथम

- योग एवंमर्मविज्ञानकाअन्तर्सम्बन्ध।
- आसन एवंप्राणायाम द्वारामर्मउद्दीपन।
- विभिन्नआसनप्राणायाम एवंमर्मोंकासमन्वय।

इकाई द्वितीय

- षट्चक्र एवंमर्म।ध्यान एवंविभिन्नविधियों द्वारा षट्चक्रसम्बन्धीमर्मोंकाउद्दीपन।

इकाईतृतीय

स्व–मर्मचिकित्सा।मर्मचिकित्सा के प्रकार।मर्मचिकित्साकीविधि।

इकाईचतुर्थ

मर्मचिकित्सा के अनन्तरसावधानियाँ।गर्भावस्थाऔरमर्मचिकित्सा।अन्य स्थितियोंमेंमर्मचिकित्साकानिषेध।

इकाईपंचम

- जीवन शैलीसेहोनेवालेरोगोंमेंमर्मचिकित्सा।
- वृद्धावस्थामेंहोनेवालेरोगोंकीमर्मचिकित्सा।
- रोगप्रतिरक्षणहेतुमर्मप्राणासनअभ्यास।

सन्दर्भग्रन्थसूची :–

1. आसन–प्राणायामकावैज्ञानकिविवेचन – डॉ0 देवव्रतआचार्य।
2. सरल योगासन – डॉ0 ईश्वरभारद्वाज।
3. सुश्रुत (शरीर स्थान) – गोविन्दभास्कर घाणेकर।
4. मर्मविज्ञान एवंमर्मचिकित्सा – डॉ0 सुनीलकुमारजोशी।
5. मर्मचिकित्साविज्ञान – डॉ0 सुनीलकुमारजोशी।
6. Marma science and Principles &Marmatharpy -Dr. Sunil Kumar Joshi.
7. Marma science &Marmatharpy -Dr. Sunil Kumar Joshi.

नोट : प्रत्येकप्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकनहेतुनिर्धारितहैं।

अंकविभाजन :–प्रश्नपत्र मेंतीन खण्डहोंगे।प्रथम खण्डमेंचारमेंसेदोप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येकप्रश्न 20 अंककाहोगा। द्वितीय खण्डमेंभीचारमेंसेदोप्रश्नहलकरनेहोंगे।प्रत्येकप्रश्न 10 अंककाहोगा।तृतीय खण्डमेंसभीपांचप्रश्नअनिवार्यहोंगे।प्रत्येकप्रश्न 04 अंककाहोगा।

तृतीय प्रश्न पत्र
शरीररचना एवंक्रियाविज्ञान

– 80+20 अंकाः
समय : 3 घण्टा

इकाईप्रथम :

मानव शरीरकासामान्य परिचय।कोषिकाऊतक, अस्थि व पेशीतन्त्र की सामान्य रचना व क्रियातथा उन परमर्मउद्दीपनकाप्रभाव।

इकाई द्वितीय :

पाचन एवंउत्सर्जनतन्त्र की सामान्य व क्रियातथा उन परमर्मउद्दीपनकाप्रभाव।

इकाईतृतीय :

रक्तपरिसंचरणतन्त्र एवं श्वसनतन्त्र की सामान्य व क्रियातथा उन परमर्मउद्दीपनकाप्रभाव।

इकाईचतुर्थ :

तन्त्रिकातन्त्र एवंज्ञानेन्द्रियों की सामान्य रचना एवंक्रियातथा उन परमर्मउद्दीपनकाप्रभाव।

इकाईपंचम :

अन्तः स्रावीग्रन्थियों की सामान्य रचना व क्रियातथा उन परमर्मउद्दीपनकाप्रभाव।

सन्दर्भग्रन्थसूचीः–

1.सुश्रुत (शरीर स्थान) –गोविन्दभास्कर घाणेकर
2. शरीररचनाविज्ञान – डॉ0 मुकुन्दस्वरूपवर्मा
3. शरीरक्रियाविज्ञान – डॉ0 प्रियव्रत शर्मा
4. शरीररचना व क्रियाविज्ञान – डॉ0 एस0 आर0 वर्मा
5. मर्मचिकित्साविज्ञान – प्रो0 सुनीलकुमारजोशी।
6. Marma science and Principles ofMarmatharpy-Dr. Sunil Kumar Joshi

नोट : प्रत्येकप्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकनहेतुनिर्धारितहैं।

अंकविभाजन :–प्रश्नपत्र मेंतीन खण्डहोंगे।प्रथम खण्डमेंचारमेंसेदोप्रश्नों के उत्तरदेनेहोंगे।प्रत्येकप्रश्न 20 अंककाहोगा। द्वितीय खण्डमेंभीचारमेंसेदोप्रश्नहलकरनेहोंगे।प्रत्येकप्रश्न 10 अंककाहोगा।तृतीय खण्डमेंसभीपांचप्रश्नअनिवार्यहोंगे।प्रत्येकप्रश्न 04 अंककाहोगा।

चतुर्थप्रश्न पत्र
प्रायोगिक

– 100 अंका:

- मर्मो की आंकलनविधि (Identification of Marm Point).
- उर्ध्वजत्रुगतमर्मोकाआंकलन।
- उदर एवंपृष्ठ के मर्मोकाआंकलन।
- उर्ध्वऔर अधः शाखा के मर्मोकाआंकलन।
- मर्मउत्प्रेरण की विधि/वारम्वारतासमय।
- विभिन्नरोगोंमेंमर्मउत्प्रेरण की विधि।
- मर्मप्राणासनविधि।